महत्वपूर्ण एवं खास

घटारानी मंदिर में प्रसाद खाने पहुंचे जंगली भालू, भालु को देखने उमड़ी श्रद्धालुओं को भीड़

गरियाबंद (आरएनएस)। रविवार शाम 5 बजे जंगली भालू प्रसाद खाने के लिए पहुंचे भालु को देखने लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी जंगली भालू 2023 से घटारानी मंदिर में पहुंच रहे हैं दुकान में रखे प्रसाद एवं तेल शक्कर को चट कर जाते हैं। जंगली भालू गांवों में घुसकर घर में रखे घरेलू समान शक्कर घी तेल खाने के समान को नुक्सान पहुंचाते हैं। अभी तक किसी प्रकार की जन हानि की सुचना नहीं मिली है ग्राम फुलझर-घटारानी मुरमुरा जमाही में रात्रीकालीन में जंगली भालू अचानक प्रवेश करते हैं। पिछले 10 सालों में यहां जंगली जानवर के संख्या में वृद्धि हुई है तेंदुए भालु हिरण जंगली सुअर नील गाय लकर बघ्घा मोर जंगली हाथी फुलझर घटारानी के वनों में विचरण करते हुए देखा गया है। शारदीय नवरात्रि पर्व से तेंदुए को शाम 6 बजे सडक़ों पर विचरण करते हुए देखा गया है जंगली हाथियों और भालु के विचरण से गांवों में दहशत है।

जेल के सामने फायरिंग करने वाले बदमाश चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर (आरएनएस)। थाना गंज क्षेत्रांतर्गत केन्द्रीय जेल रायपुर के सामने मोटर सायकल सवार अज्ञात व्यक्ति कट्टा से साहिल निवासी टिकरापारा रायपुर पर सुनियोजित तरीके से फायरिंग कर फरार हो गये थे, कि सूचना पर थाना गंज में अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की धर पकड़ हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा 10 अलग-अलग विशेष टीमों का गठन कर आरोपियों की पतासाजी हेतु लगाया गया। रायपुर की सभी सीमाओं पर चेक पोस्ट लगाने के साथ ही नाकेबंदी भी लगायी गयी। आरोपीगण रायपुर से बाहर भागने के फिराक में थे कि उन्हें रायपुर एवं दुर्ग जिले के सीमा पर नंदनवन के समीप घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया। 01. शेख शाहनवाज उर्फ शानू महाराज उम्र 25 साल निवासी मौदहापारा रायपुर। 02. शाहरूख पिता मोह0 आरिफ उम्र 19 साल निवासी मौदहापारा रायपुर। प्रकरण में संलिप्त एक अन्य फरार आरोपी हीरा छुरा की पतासाजी लगातार की जा रहीं है।

चरित्र संदेह पर कर दी पत्नी की हत्या

बालोद-रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बालोद में घरेलू विवाद और चरित्र शंका के चलते पति ने पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला गोवर्धन पूजा के दिन का है।आरोपी डामन लाल गावड़े ने पत्नी अश्वनी के सिर और चेहरे पर डंडे से हमला किया था। थाना प्रभारी रवि शंकर पांडे ने बताया कि कोटवार दीपक गजभिए ने सूचना दी कि ग्राम हरठिमा में अश्वनी बाई की हत्या हो गई है। सूचना पर सभी उच्च अधिकारियों को मामले से अवगत कराया गया और हम मौके पर पहुंचे। ्रद्यह्यश क्रद्गड्डस्र - व्यापारी के भांजी के साथ रेप, किशोर ने लूटी इज्जत पड़ोस में रहने वाली शांति बाई ने पुलिस को बताया कि डामन लाल गावड़े पत्नी से मारपीट रहा था। जब उसने जाकर देखा तो उसके पति ने घर का मामला कहकर उसे भगा दिया। उसने मृतका की बेटी को मामले की सूचना दी। पड़ोसी महिला ने बताया कि बाद में वह फिर से अश्वनी के घर गई। उसने देखा कि महिला दर्द से तड़पते हुए बेहोशी की हालत में पड़ी हुई थी। उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान थे। उसने उसे पानी पिलाया, जिसके कुछ देर बाद ही उसने दम तोड़ दिया।

दंपति में हुआ विवाद, पति ने लगाई फांसी

भिलाई-रायपुर (आरएनएस)। जामुल थाना क्षेत्र पति-पत्नी के बीच का विवाद इतना बढ़ गया कि जब पत्नी इसकी शिकायत करने थाने गई तो पति ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा और जांच में जुट गई है। जामुल पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान हीरालाल साहू पिता दशरथ साहू (40 साल) के रूप में हुई है। वो घासीदास नगर बॉम्बे आवास में रहता था। हीरालाल के एक बेटा और बेटी हैं। हीरालाल मकान बनाने का ठेका लेने का काम करता था। हीरालाल और उसकी पत्नी के बीच पिछले 5-6 सालों से पट नहीं रही थी। आए दिन झगड़ा होने पर दोनों के बीच तलाक की स्थिति आ गई थी। पत्नी बार-बार तलाक मांग रही थी, लेकिन हीरालाल उसे तलाक नहीं दे रहा था। इस बात को लेकर सोमवार दोपहर दोनों के बीच जमकर झगड़ा हुआ। दोपहर 12.30 बजे के करीब पत्नी हीरालाल की शिकायत करने की बात कहकर थाने जाने के लिए निकली। वो थाने पहुंची भी नहीं थी कि उसका लडक़ा दौड़ता हुआ पहुंचा और बोला की पापा ने फांसी लगा ली है। जब पत्नी घर पहुंची तो देखा कि हीरालाल कमरे के अंदर फंदे पर झूल रहा है।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ करेंगे 36 विभूतियों को सम्मानित

राज्योत्सव-2024 में विभिन्न अलंकरणों से सम्मानित होने वाले विभूतियों के नाम हुए घोषित

रायपुर

राजधानी नवा रायपुर में राज्योत्सव के अवसर पर राज्य अलंकरण समारोह का आयोजन 06 नवंबर को किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने आज राजधानी रायपुर के महंत घासीदास संग्रहालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य अलंकरण समारोह में सम्मानित होने वाले विभूतियों के नाम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा 06 नवंबर को 36 विभूतियों को छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा।

राज्यपाल रमेन डेका समारोह की अध्यक्षता करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह उपस्थित रहेंगे। राज्य अलंकरण समारोह एवं राज्योत्सव के समापन समारोह पर छत्तीसगढ़ की विभिन्न विभूतियों को उनकी उपलब्धियों एवं राज्य के विकास में योगदान के लिए राज्य अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा।

आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आदिवासी पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार बुटलू राम माथरा को दिया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिया जाने वाला अहिंसा एवं गौ रक्षा के क्षेत्र में यति यतनलाल सम्मान मनोहर गौशाला खैरागढ़, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गुण्डाधूर सम्मान छोटी मेहरा, खोल (तीरंदाजी) के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान विकास कुमार को दिया जाएगा। इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला उत्थान के क्षेत्र में मिनीमाता सम्मान पार्वती ढ़ीढ़ी, महिलाओं में वीरता, शौर्य, साहस तथा आत्मबल को सशक्त बनाने के लिए वीरांगना रानी अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार अदिती कश्यप और महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान के लिए माता बहादुर कलारिन सम्मान कुमारी चित्ररेखा सिन्हा, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक चेतना और दलित उत्थान के क्षेत्र में गुरू घासीदास सम्मान राजेन्द्र रंगीला (गिलहरे), सहकारिता विभाग द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में ठाकुर प्यारेलाल सम्मान शशिकांत द्विवेदी को

प्रदान किया जाएगा।

इसी तरह सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान उमेश कच्छप, संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पंडित सुन्दरलाल शर्मा सम्मान डॉ. सत्यभामा आडिल, संस्कृति विभाग द्वारा संगीत एवं कला के क्षेत्र में चक्रधर सम्मान पं. सुधाकर रामभाऊ शेवलीकर को प्रदान किया जाएगा। संस्कृति विभाग द्वारा लोककला एवं शिल्प के क्षेत्र में दिया जाने वाला दाऊ मंदराजी सम्मान पंडीराम मंडावी को प्रदान किया जाएगा। संस्कृति विभाग द्वारा ही छत्तीसगढ़ी लोकगीत के लिए लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान निर्मला ठाकुर (बेलचंदन) और छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के लिए खुमान साव सम्मान दुष्यंत कुमार हरमुख, कृषि विभाग द्वारा कृषि के क्षेत्र में डॉ. खूबचंद बघेल सम्मान संयुक्त रूप से शिवकुमार चंद्रवंशी और खेमराज पटेल को प्रदान किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए महाराजा अग्रसेन सम्मान सियाराम अग्रवाल, समाज कल्याण विभाग द्वारा दानशीलता, सौहार्द्र एवं अनुकरणीय सहायता के क्षेत्र में दानवीर भामाशाह सम्मान सुभाष चंद अग्रवाल, मत्स्य विभाग द्वारा मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए बिलासाबाई केंवटीन मत्स्य विकास पुरस्कार विनोद दास को प्रदान किया जाएगा।

आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आदिवासियों की सेवा और उत्थान के क्षेत्र में दिया जाने वाला भंवर सिंह पोर्ते सम्मान सोनऊ राम नेताम को प्रदान किया जाएगा। श्रम विभाग द्वारा श्रम के क्षेत्र में महाराजा रामानुज प्रताप सिंहदेव पुरस्कार संयुक्त रूप से सुरेन्द्र कुमार राठौर, शोभा सिंह एवं ललित कुमार नायक को प्रदान किया जाएगा। गृह (पुलिस) विभाग द्वारा अपराध अनुसंधान क्षेत्र में पंडित लखन लाल मिश्र सम्मान रामनरेयश यादव, ग्रामोद्योग विभाग द्वारा बुनकर क्षेत्र में बिसाहूदास महंत पुरस्कार संयुक्त रूप से पन्नालाल देवांगन और बहोरी लाल देवांगन को प्रदाय किया जाएगा। ग्रामोद्योग विभाग द्वारा बुनकर के क्षेत्र में राजराजेश्वरी करूणामाता हाथकरघा प्रोत्साहन पुरस्कार संयुक्त रूप से सत्यनारायण देवांगन एवं अरूण मेहर को दिया जाएगा।

संस्कृति विभाग द्वारा प्रदर्शनकारी लोककला क्षेत्र में देवदास बंजारे स्मृति पुरस्कार भगत गुलेरी, संस्कृति विभाग द्वारा लोक शैली पंथी नृत्य प्रदर्शनकारी कला क्षेत्र में देवदास स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार साधे लाल रात्रे, संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी-छत्तीसगढ़ी सिनेमा में रचनात्मक लेखन, निर्देशन, अभिनय, पटकथा, निर्माण के क्षेत्र में किशोर साहू सम्मान प्रकाश अवस्थी, संस्कृति विभाग द्वारा ही हिन्दी-छत्तीसगढ़ी सिनेमा में निर्देशन के लिए दिया जाने वाला किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण सतीश जैन को प्रदान किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा तथा शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए धनवन्तरि सम्मान डॉ. मनोहर लाल लहेजा को प्रदान किया जाएगा। विधि एवं विधायी विभाग द्वारा विधि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान संयुक्त रूप से सुरेन्द्र तिवारी और प्रकाश चंद्र पंत को प्रदान किया जाएगा। संस्कृति विभाग द्वारा देश के बाहर सामाजिक कल्याण, मानव संसाधन विकास, कला, साहित्य अथवा आर्थिक योगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान आनंद कुमार पांडे, संस्कृति विभाग द्वारा साहित्य, आंचलिक साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार डॉ. पीसी लाल यादव को प्रदान किया जाएगा। जनसंपर्क विभाग द्वारा पत्रकरिता प्रिंट मीडिया हिन्दी के क्षेत्र में चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार भोलाराम सिन्हा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (हिन्दी) के क्षेत्र में मोहन तिवारी, जनसपंर्क विभाग द्वारा प्रिंट मीडिया (अंग्रेजी) के क्षेत्र में मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार मुकेश एस. सिंह, जनसंपर्क विभाग द्वारा ही रचनात्मक लेखन और हिन्दी भाषा क्षेत्र में प्रदाय किए जाने वाले पंडित माधवराव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान अतुल जैन को प्रदान किया जाएगा।

केबीसी जूनियर में कोरबा के अर्जुन का कमाल, जीते साढ़े 12 लाख, अमिताभ बच्चन ने की प्रशंसा

कोरबा | आरएनएस

डीपीएस एनटीपीसी के छात्र अर्जुन अग्रवाल ने 11 वर्ष की उम्र में केबीसी जूनियर के इस सीजन में 12 लाख 50 हजार प्वाइंट जीते हैं। केबीसी जूनियर का पहला शो आज सोमवार रात ही प्रसारित हुआ।शो के प्रस्तोता अमिताभ बच्चन ने अर्जुन की प्रतिभा की भूरी भूरी प्रशंसा की।शो पर अर्जुन अपने माता, पिता और छोटी बहन नैना के साथ आया था।यह कोरबा के लिए भी गौरव की बात है कि यहां का निवासी कोई नन्हा छात्र यूं केबीसी जूनियर में सफल रहा।25 लाख के सवाल का जवाब न मालूम होने पर अर्जुन ने गेम क्विट कर दिया।

अर्जुन अग्रवाल के पिता मनीष अग्रवाल दजचब कोरबा में डीजीएम (एमजीआर) और माता नेहा अग्रवाल गृहणी है, जिनकी अर्जुन से एक छोटी बिटिया नैना भी है। नेहा अग्रवाल ने कहा। हम हमेशा उसकी क्षमताओं पर विश्वास करते थे, और जूनियर केबीसी पर उसके प्रदर्शन ने उसे सच कर दिखाया है और न केवल हमें वरन एनटीपीसी और डीपीएस परिवार के साथ-साथ कोरबा वासियों के लिए भी गर्व का क्षण उपलब्ध कराया। अर्जुन की केबीसी मंच तक की यात्रा चुनौतियों से भरी थी। पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने के बाद, उसे मुंबई में आयोजित ग्राउंड ऑडिशन के लिए चुना गया, जहां उसने 540 प्रतिभागियों के बीच लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में उत्कृष्टता हासिल की, चयनकर्ताओं को अपनी आत्मविश्वास और ज्ञान से प्रभावित किया।

शैक्षणिक उपलब्धियों के अलावा, अर्जुन एक कुशल शतरंज खिलाड़ी है और बैडमिंटन खेलना पसंद है, जो उसकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। उसका पसंदीदा विषय विज्ञान है, और उसे सीखने के प्रति उत्साह और जिज्ञासा के लिए जाना जाता है।

छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा देवगुड़ी स्थलों के संरक्षण और संवर्धन से सांस्कृतिक धरोहर की हो रही है पुनर्स्थापना

रायपुर | आरएनएस

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने देवगुड़ी को संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए उन स्थलों के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष प्रयासों पर जोर दिया है। उन्होंने संबंधित विभागों को इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने और स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। देवगुड़ी के संरक्षण से न केवल सांस्कृतिक धरोहर को संजोने में मदद मिलेगी बल्कि इससे क्षेत्रीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। छत्तीसगढ़ में सैकड़ों देवगुड़ी वनसमृद्ध जनजातीय क्षेत्रों में स्थित हैं। ये स्थल जनजातीय समुदायों द्वारा पूजनीय हैं एवं राज्य की सांस्कृतिक धरोहर और पारिस्थितिक संपदा का अभिन्न हिस्सा हैं। स्थानीय जनजातीय देवताओं के निवास स्थल होने के कारण ये पारंपरिक अनुष्ठानों और त्योहारों का केंद्र हैं, साथ ही ये जैव विविधता के अनूठे केंद्र भी माने जाते हैं। छत्तीसगढ़ की देवगुड़ी में भंगाराम, डोकरी माता गुड़ी, सेमरिया माता, लोहजारिन माता गुड़ी, मावली माता गुड़ी, माँ दंतेश्वरी गुड़ी और कंचन देवी गुड़ी जैसे नाम शामिल हैं। ये सभी देवगुड़ी स्थानीय जनजातीय समुदायों की आस्थाओं में विशेष स्थान रखती हैं और प्रत्येक का अपना विशिष्ट महत्व है।

छत्तीसगढ़ वन विभाग संयुक्त वन प्रबंधन, कैंपा, छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से इन पवित्र देवगुडिय़ों के संरक्षण में सक्रिय रूप से प्रयासरत है। अब तक विभाग द्वारा 1,200 से अधिक देवगुड़ी स्थलों का दस्तावेजीकरण और संरक्षण किया जा चुका है, ताकि इन पारिस्थितिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, आईएफएस ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वन मंत्री केदार कश्यप जी छत्तीसगढ़ के वनसमृद्ध जनजातीय क्षेत्रों से संबंध रखते हैं। उनके नेतृत्व में वन विभाग देवगुड़ी स्थलों के संरक्षण के लिए समर्पित है। ये प्रयास राज्य में सतत् वन प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के हमारे व्यापक मिशन के अनुरूप हैं। देवगुड़ी के उपवन पारिस्थितिक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। ये दुर्लभ, संकटग्रस्त, और स्थानीय वनस्पति प्रजातियों का आश्रय स्थल हैं, जहाँ इनका संरक्षण भी सुनिश्चित होता है। ये स्थल मृदा अपरदन को रोकने में सहायक भी हैं। जनजातीय समुदायों का मानना है कि इन पवित्र स्थलों की रक्षा देवताओं द्वारा की जाती है, इसलिए यहाँ पेड़ काटना, शिकार करना या किसी जीव को हानि पहुँचाना वर्जित है। इन उपवनों से जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक पहचान गहराई से जुड़ी हुई है और ये उनकी पारंपरिक प्रथाओं को जीवित रखते हैं। मड़ई, हरेली, और दशहरा जैसे त्योहारों पर यहाँ विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं, एवं नवविवाहित जोड़े यहाँ आकर स्थानीय देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। देवगुड़ी स्थलों की पर्यावरणीय और सांस्कृतिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए वन विभाग द्वारा यहाँ विशेष भूनिर्माण कार्य किए गए हैं, जिनमें पगडंडियों का निर्माण, बाड़बंदी, और पर्यावरण के अनुकूल संरचनाएँ शामिल हैं। छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष राकेश चतुर्वेदी ने कहा कि वन विभाग स्थानीय जनजातीय के सहयोग से देवगुड़ी के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय रूप से प्रयासरत है।

मासूम की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में मचाया हंगामा

लोरमी-रायपुर | आरएनएस

मुंगेली जिले के लोरमी में एक निजी अस्पताल में 7 वर्षीय आदिवासी मासूम बच्चे की मौत का मामला सामने आया है. दरअसल निजी अस्पताल में इलाज के अभाव के चलते भोले भाले मरीजों की जाने जा रही है. इस पूरे मामले में कुछ दिनों पहले ही अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई थी. बावजूद इसके खुलेआम नियम विरुद्ध निजी अस्पताल का संचालन किया जा रहा है. वहीं घटना की जांच के लिए एसडीएम ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है। घटना 1 नवम्बर की बताई जा रही है, जहां लोरमी तहसील अंतर्गत मोहबंधा गांव के आश्रित गांव बांधी निवासी ओंकार गोंड रात करीब 11 बजे मस्तिष्क ज्वर (झटके) से पीड़ित अपने बेटे 7 वर्षीय धनंजय को 50 बिस्तर सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया. प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए आधे घंटे बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया. निजी एम्बुलेंस के दलालों ने कम खर्च में बेहतर इलाज का झांसा देकर बच्चे को बुध केयर हॉस्पिटल में एडमिट करने कहा तो परिजनों ने बच्चे को निजी एम्बुलेंस की मदद से निजी अस्पताल में एडमिट कर दिया, जहां बच्चे का समय पर उपचार नहीं होने एवं चाइल्ड विशेषज्ञ चिकित्सीय व्यवस्था नहीं होने के अभाव में मासूम की जान चली गई।

मामले को लेकर मोहबंधा गांव के आश्रित गांव बांधी के सरपंच प्रतनिधि हेमपाल मरावी ने बताया कि घटना के दिन अस्पताल में भर्ती के पहले निजी अस्पताल के स्टाफ से अस्पताल में भर्ती करने को लेकर जाने समय बहस भी हुआ है. बावजूद इसके निजी अस्पताल के स्टाफ ने मनमानी करते हुए उन्हें निजी एंबुलेंस में निजी अस्पताल बुध केयर लेकर चले गए, जहां पर मौके पर कोई भी चाइल्ड रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद नहीं थे. सरपंच प्रतिनिधि हेमपाल सिंह ने कहा कि मामले को अस्पताल प्रबंधन दबाना चाहती है. आदिवासियों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर उचित कार्रवाई की मांग की है।

हादसे में युवक की मौत के बाद आक्रोशित भीड़ ने ट्रक को किया आग के हवाले, मुआवजे और कार्यवाई की मांग की

रायपुर | आरएनएस

राजधानी रायपुर के नेवरा से कोटा मार्ग पर हुए एक दर्दनाक सडक़ हादसे में नेवरा निवासी 23 वर्षीय युवक राहुल साहू की मौत हो गई। हादसे के बाद, वहां मौजूद लोगों की भीड़ ने आक्रोशित होकर पास खड़े एक ट्रक को आग लगा दी और कई अन्य ट्रकों पर तोडफ़ोड़ की।

खबरों के अनुसार, जब लोग हादसे की जानकारी मिलने पर इक_ा हुए, तो उनका गुस्सा बढ़ गया, जिससे उन्होंने नेवरा थाना के सामने सडक़ पर बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी। यह घटना देखते ही देखते सामूहिक विरोध में बदल गई, जिससे इलाके में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई।

लोगों के विरोध के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात

खरोरा, आरंग और अन्य आस-पास के क्षेत्रों से पुलिस के आला अधिकारी और बल तिल्दा की ओर रवाना हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया है और हालात को नियंत्रण में लाने के लिए तुरंत कार्रवाई की गई।

नेवरा के लोगों ने इस घटना के पीछे ट्रांसपोर्टर पर आरोप लगाया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि ट्रांसपोर्टर अपनी ट्रकों को मुख्य मार्ग के दोनों तरफ खड़ा कर देते हैं, जिससे आए दिन सडक़ हादसों की स्थिति बनती है। उन्होंने लिखित शिकायतें भी दी है, लेकिन उनकी शिकायतों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने से वे आक्रोशित हैं।

स्थानीय निवासी इस स्थिति से बेहद परेशान हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन स्थानीय लोगों का आक्रोश कम होने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस ने लोगों को शांत करने और स्थिति को सामान्य बनाने के लिए प्रयासरत है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU